

Absolute Truth

Know God Know Truth

Monthly Newsletter of ISKCON Delhi-NCR



News

A Step Closer to Krishna - A New mobile App (1st Jan 2020) (ISKCON, Punjabi Bagh)

With the divine blessings of the Lordships, a new mobile app was launched. This was a much-awaited event for the temple's congregation and other devotees around the world. The humble effort is to bring all the devotees closer to the temple and to keep them updated about daily programs and events and to facilitate their increasing attraction for the Supreme Lord. The app is available in both Android as well as Apple Store versions.



From Youth to Womenhood - A fun-filled New Year party (3rd Jan 2020) (IGF, ISKCON Punjabi Bagh)

A gala festival to rejoice the spirit of being a Vaisnavi was organized. The festivities included games like dumbcharades and quiz on Vedic women, musical chairs, Kaun Banega



समाचार

एक कदम कृष्ण की ओर – एक नया मोबाइल ऐप (1 जनवरी 2020) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

भगवान की दिव्य कृपा से, एक नया मोबाइल ऐप लॉन्च किया गया। यह मंदिर की भक्त मण्डली एवं दुनिया भर के अन्य भक्तों हेतु एक बहुप्रतीक्षित अवसर था। सभी भक्तों को मंदिर के समीप लाने और उन्हें दैनिक कार्यक्रमों एवं घटनाओं के विषय में अवगत कराने तथा परम भगवान में बढ़ती उनकी रुचि और सुगम बनाने का एक विनम्र प्रयास है। यह ऐप एंड्रॉइड एवं ऐपल स्टोर आदि दोनों ही संस्करणों में उपलब्ध है।

युवतियों से महिलाओं तक – नई साल की एक मजेदार पार्टी (3 जनवरी 2020) (आईजीएफ, इस्कॉन पंजाबी बाग)

वैष्णवी होने की भावना का आनंद लेने हेतु एक उत्सव का आयोजन किया गया। उत्सव में खेल, जैसे, मौन शब्द पहेली और वैदिक महिलाओं पर प्रश्नोत्तरी म्यूजिकल चेयर, कौन बनेगा गृह मंत्री आदि शामिल थे। प्रतिभागियों को बहुत सारे उत्साहजनक उपहार दिए गए। विशेष वैशिष्ट्य में महिलाओं के सौंदर्य का महिमा मंडन भी जुड़ा था जिसमें स्वास्थ्य और खाना पकाने की युक्तियाँ एवं साड़ी पहनना भी शामिल था। इस कार्यक्रम का समापन स्वादिष्ट प्रसाद के साथ हुआ, जिसका परिणाम सशक्त और समृद्ध अनुभव था।



Home Minister etc. The participants were given lots of exciting gifts. The special features included glorification of the beauty of womanhood included health and cooking tips and saree wrapping. The event concluded with delicious prasadam, culminating into an empowering and enriching experience.

Train the Trainers session at Katwaria Sarai BACE (5th, 12th, January) (Namahatta, ISKCON East of Kailash)

ISKCON is an ever growing organisation moving rapidly towards a changing and fast evolving world. In order to keep pace with the global alterations in socio cultural fabric, ISKCON consistently endeavours to upgrade and empower itself through training the new generation and planning ahead of times. The 3-day Trainers Session organised at Katwaria Sarai Bace under the able aegis of H.G. Sarvapriya Prabhu, was an attempt to do the same. Spread over 3 Sundays, the motive of this seminar was to equip speakers with knowledge, practice and feedback on their presentation skills. The attendees were a heterogeneous group of preachers; housewives, book distributors, regular speakers. Sarvapriya Prabhu shared insights about the art of presenting spiritual knowledge. He familiarised the group with well-known techniques of attracting an audience and holding their attention. Each attendee made a presentation of 15 mins based on a topic given beforehand. Each speaker was given detailed feedback on his/ her talk. Presenters made use of a variety of techniques including drama, graphics, and power points to exhibit their skill. It was a truly enriching experience which helped the first timers to overcome their initial hesitation and allowed regular ones to hone their skills. Each session was followed by sumptuous prasadam.

Shobha Yatra (5th Jan) (ISKCON, Rohini)

What started from a small shobha yatra a few years ago turned into a full-fledged mini Ratha-yatra. A suburb of Rohini, BudhVihar, has been organising Sri Sri Gaura Nitai's shobha yatra for last few years regularly but since last year it has taken the form of a mini Ratha-yatra. This has become possible by the efforts of H.G. Raghunath Chandra Prabhu along with the temple management. This year, the Ratha yatra started from Golden Moments Party Lawn, Kanjhawlan Road at around 12.00 pm & ended at the temple at around 7.30pm. Thousands of devotees became a testimony to the grand harinama sankirtan on the road. VVIP's of the area also spared some moments to pull the chariot of Sri Sri Gaura-Nitai. Prasadam distribution & book distribution were the highlights of the yatra. ISKCON Punjabi Bagh temple's Co-President, H.G. Rukmini Krishna Prabhu also graced the occasion, led the kirtan on the route for some time and also lectured in the evening in the temple.



प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण-सत्र का कटवारिया **सराय बेस में आयोजन (5, 12, जनवरी)** (नामहट्टा, इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश)

इस्कॉन बदलती हुई और तेजी से विकसित होती दुनिया की ओर तेजी से बढ़ता हुआ एक संगठन है। सामाजिक सांस्कृतिक ताने-बाने में वैश्विक परिवर्तन के संग तालमेल बनाए रखने हेतु, इस्कॉन नई पीढ़ी को प्रशिक्षित करने और समय पूर्व योजना बनाने के माध्यम से खुद को उन्नत और सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। श्रीमान सर्वप्रिय प्रभु के कुशल तत्वावधान में कटवारिया सराय बेस में आयोजित 3 दिवसीय प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण सत्र भी ऐसा ही एक प्रयास था। 3 रविवार तक विस्तारित, इस सेमिनार का उद्देश्य वक्ताओं को जानकारी, अभ्यास और उनकी प्रस्तुति कौशल पर आई प्रतिक्रियाओं से आत्मसात कराना था। उपस्थित लोग प्रचारकों, गृहिणियों, पुस्तक वितरकों, नियमित वक्ताओं आदि का एक विषम समूह थे। सर्वप्रिय प्रभु ने आध्यात्मिक ज्ञान को प्रस्तुत करने की कला के बारे में अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने समूह को, दर्शकों को आकर्षित करने और उनका ध्यान आकर्षित करने की जानी-मानी तकनीकों से परिचित कराया। प्रत्येक उपस्थित व्यक्ति ने पहले से दिए गए विषय पर आधारित 15 मिनट की प्रस्तुति दी। प्रत्येक वक्ता को उसकी प्रस्तुति पर विस्तृत प्रतिक्रिया दी गई। प्रस्तोताओं ने अपने कौशल का प्रदर्शन करने हेतु नाटक, ग्राफिक्स और पावर पॉइंट सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग किया। यह वास्तव में समृद्ध अनुभव था, जिसने नव प्रस्तोताओं को अपने शुरुआती संकोच को दूर करने में मदद की और नियमित लोगों को अपने कौशल को सुधारने का अवसर प्रदान किया। प्रत्येक सत्र के बाद शानदार प्रसादम किया गया।

शोभा यात्रा (5 जनवरी) (इस्कॉन, रोहिणी)

कुछ साल पहले एक छोटी शोभा यात्रा से जो शुरू हुआ था वह एक पूर्ण उप रथ-यात्रा में बदल गया। रोहिणी का एक उपनगर बुध विहार, पिछले कुछ वर्षों से नियमित रूप से श्री श्री गौर नितई की शोभा यात्रा का आयोजन कर रहा है, लेकिन पिछले साल से इसने उप रथ-यात्रा का रूप ले लिया है। मंदिर प्रबंधन के साथ-साथ श्रीमान रघुनाथ चंद्र

Purity is the Force - A Special Session (11th Jan 2020) (ISKCON, Punjabi Bagh)

Several bhakti vriksha groups from the congregation of ISKCON Punjabi Bagh invited H.G. Amogh Lila Prabhu (Vice Temple President, ISKCON Dwarka) for a special session on the topic "Purity is the Force". He delivered a wonderful discourse quoting excerpts from lives of Srila Prabhupada and Srila Bhakti Siddhanta Saraswati Thakura to stress the importance of purity in devotional services. Notwithstanding the gravity of the topic, he explained the topic in an easy to understand manner, filled with his characteristic humor leaving audience happy and thoughtful.

Discover Yourself Seminar (12th Jan onwards) (IYF, ISKCON Punjabi Bagh)

A fresh batch was registered for a very important and much awaited course, "Discover Yourself". This is one of the most popular preaching seminars within ISKCON. The program comprised of very logical and awe-inspiring seminars, videos, heart to heart interactions, practical realizations sharing by devotees and sumptuous prasadam for everyone.

The Journey of Inspiration Continues--- Vartalaap (Jan 2020) (ISKCON, Punjabi Bagh)

2 new episodes a very popular talk show Vartalaap were released on Punjabi Bagh's new Jigyasa YouTube channel and across other social media platforms. This month's episodes were very special, with special guests – H.H. Sachinandana Swami Maharaja and H.G. Amogh Lila Prabhu. The devotee community is feeling extremely nourished and enriched by the experiences shared by the leaders on this show and are feeling really inspired to further improve their personal practices and services.



The blissful Hygienic Offering to the lord (12 Jan 2020) (ISKCON, Punjabi Bagh)

A training session was conducted for the cooks by FSSAI (Food Safety standards Authority of India) on improving

प्रभु के प्रयासों से यह संभव हुआ है। इस वर्ष रथयात्रा गोल्डन मोमेंट्स पार्टी लॉन, कंझावाला रोड से लगभग 12.00 बजे शुरू हुई और लगभग 7.30 बजे मंदिर में इसका समापन हुआ। हजारों भक्त सड़क पर भव्य हरिनाम संकीर्तन के साक्षी बने। इलाके के वीवीआईपी ने भी श्री श्री गौर-निताई के रथ को खींचने के लिए कुछ समय निकाला। प्रसाद वितरण और पुस्तक वितरण यात्रा के मुख्य आकर्षण थे। इस्कॉन पंजाबी बाग मंदिर के सह-अध्यक्ष, श्रीमान रुक्मिणी कृष्ण प्रभु जी ने भी इस अवसर की शोभा बढ़ाई, कुछ समय के लिए मार्ग में कीर्तन का नेतृत्व किया और शाम को मंदिर में व्याख्यान भी दिया।

पवित्रता में बल है – एक विशेष सत्र (11 जनवरी 2020) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन पंजाबी बाग की भक्त मण्डली के कई भक्ति वृक्ष समूहों ने श्रीमान अमोघ लीला प्रभु (वाइस प्रेसिडेंट, इस्कॉन द्वारका मंदिर) को 'पवित्रता में बल है' विषय पर एक विशेष सत्र हेतु आमंत्रित किया। उन्होंने भक्ति में शुद्धता के महत्व पर जोर देने हेतु श्रील प्रभुपाद और श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर के जीवन से उद्धरण प्रस्तुत करते हुए एक अद्भुत प्रवचन दिया। विषय की गंभीरता के उपरान्त भी, उन्होंने विषय को समझने हेतु आसान तरीके से समझाया, जो कि उनके विशेष हास्य से भरा हुआ था जिसने दर्शकों को प्रसन्न और विचारशील बना दिया।

आत्मा की खोज संगोष्ठी (12 जनवरी को) (आईवाईएफ, इस्कॉन पंजाबी बाग)

एक नया बैच बहुत महत्वपूर्ण और बहुप्रतीक्षित पाठ्यक्रम 'डिस्कवर योरसेल्फ' के लिए पंजीकृत किया गया। यह इस्कॉन के भीतर सबसे लोकप्रिय प्रचारित 'सेमिनारों' में से एक है। कार्यक्रम में बहुत ही तार्किक और विस्मयकारी संगोष्ठी, वीडियो, हृदय से हृदय तक संवाद, भक्तों द्वारा साझा किए गए व्यावहारिक अनुभव एवं सभी हेतु सुस्वादिष्ट प्रसादम शामिल रहे।

वर्तालाप – प्रेरणास्पद यात्रा जारी है... (जनवरी 2020) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

बहुत ही लोकप्रिय टॉक शो वर्तालाप के 2 नए एपिसोड को पंजाबी बाग मंदिर के नए जिग्यासा यूट्यूब चैनल और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी किए गए। इस महीने के एपिसोड बहुत खास थे, जिसमें विशेष अतिथि – परम पूज्य शचिनंदन स्वामी महाराज और श्रीमान अमोघ लीला प्रभु रहे। भक्त समुदाय इस शो पर अग्रगण्यताओं द्वारा साझा किए गए अनुभवों से बेहद पोषित और समृद्ध महसूस कर रहा है और अपनी व्यक्तिगत सेवाओं तथा प्रथाओं को और बेहतर बनाने के लिए वास्तव में प्रेरित महसूस कर रहा है।

परम भगवान् हेतु स्वच्छ एवं आनंदायक भोग (12 जनवरी 2020) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

भगवान् को अर्पण करने हेतु भोग बनाने की स्वच्छता में सुधार एवं सुरक्षा मानकों के पालन करने को FSSAI (भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण) द्वारा रसोइयों हेतु एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया था। इस्कॉन पंजाबी बाग मंदिर का किचन इस्कॉन मंदिरों में सबसे बड़ा है और त्योहारों पर हजारों भक्तों की सेवा करता है। यह किचन पूजा स्थलों के बीच दिल्ली में पहला एफएसएसआई लाइसेंस प्रमाणित किचन बनने जा रहा है।

hygiene and following safety standards for making BHOG (Blissful hygienic offering to God). ISKCON Punjabi Bagh's kitchen is one of the largest amongst ISKCON temples and serves thousands of devotees on festivals. This kitchen is going to be the first FSSAI license certified kitchen in Delhi among the places of worship.

Srila Gopala Bhatta Goswami Appearance (15th January) (ISKCON, East of Kailash)

Srila Gopala Bhatta Goswami belonged to the Iyengar family of Srirangam. He had the good fortune of meeting Mahaprabhu at a tender age, when Mahaprabhu spent the four months of Caturmasya at the residence of the Iyengar family. Association of the Lord attracted and purified the young boy to such an extent that he decided to surrender his life to the mission of Mahaprabhu. Following His instructions as his heart and soul, he took up the mammoth task of re-establishing the lost Vaishnava tradition. He was one of the six principle Goswamis of Vrindavan who revived Vaishnavism and worked for its propagation. His contribution in the form of books, instructions and establishment of temples was remembered on the occasion of his appearance. Through pushpanjali, kirtan and feast, devotees begged him for mercy and his favour which can help them to advance spiritually.

ISS Organizes Seminar in IARI (18th Jan) (ISS, ISKCON East of Kailash)

ISS-Institute for Science and Spirituality (Scientific Preaching Wing of ISKCON- Delhi) organized a talk on Stress Management in IARI- Indian Agricultural Research Institute by H.G. Amogh Lila Prabhu. The seminar was well attended by more than 50 participants with active participation from Professors, Scientists and Scholars from various departments. Amogh Lila Prabhu explained the content of the topic - Reasons of Stress in our daily life, Internal Mechanism of Stress and Various Effective ways to Manage the stress, beautifully in his typical humorous style. The audience listened with great interest and enthusiasm and asked many questions after the talk. The lecture was very well appreciated by all and participants expressed their willingness to attend more such seminars in future. H.G. Prem Kishore Prabhu had an engaging interaction with senior officials after the talk about Vision and Mission of Institute for Science and Spirituality and its future plans. Officials showed keen interest to attend the future conferences and work together.



श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी जी का आविर्भाव दिवस (15 जनवरी) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी श्रीरंगम के आयंगर परिवार से थे। महाप्रभु से मिलने का सौभाग्य उन्हें बहुत ही कम उम्र में मिला था, जब महाप्रभु ने आयंगर परिवार के निवास पर चातुर्मास के चार महीने बिताए थे। महाप्रभु के संग ने युवा भक्त को इस हद तक आकर्षित और शुद्ध किया कि उसने महाप्रभु के मिशन के लिए अपने जीवन को समर्पित करने का निर्णय कर लिया। अपने हृदय और आत्मा के रूप में उनके निर्देशों को आत्मसात करने के उपरांत, उन्होंने लुप्त प्रायरू वैष्णव परंपरा को पुनर्स्थापित करने का विशाल कार्य किया। वह वृंदावन के मुख्य षड-गोस्वामियों में से एक थे जिन्होंने वैष्णववाद को पुनर्जीवित किया और इसके प्रचार हेतु काम किया। पुस्तकों, निर्देशों और मंदिरों की स्थापना के रूप में उनके योगदान को उनके आविर्भाव दिवस के अवसर पर स्मरण किया गया। पुष्पांजलि, कीर्तन और भोज के माध्यम से भक्तों ने उनकी दया और कृपा की याचना की जो उन्हें आध्यात्मिक रूप से आगे बढ़ने में मदद कर सके।



आईएसएस ने आईएआरआई में सेमिनार का आयोजन किया (18 जनवरी) (आईएसएस, इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश)

आईएसएस –आध्यात्मिकता एवं विज्ञान संस्थान (इस्कॉन दिल्ली की वैज्ञानिक प्रचार शाखा) ने IARI (भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान) में श्रीमान अमोघ लीला प्रभु द्वारा तनाव प्रबंधन पर एक वार्ता का आयोजन किया। संगोष्ठी में विभिन्न विभागों के प्रोफेसरों, वैज्ञानिकों एवं विद्वानों की सक्रिय भागीदारी के साथ 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। अमोघ लीला प्रभु ने – हमारे दैनिक जीवन में तनाव के कारण, तनाव की आंतरिक क्रियाविधि एवं तनाव प्रबंधित करने के विभिन्न प्रभावी तरीके, आदि विषय सामग्री को अपनी विशिष्ट हास्य शैली में खूबसूरती से समझाया। दर्शकों ने बहुत रुचि और उत्साह के साथ बात सुनी और वार्ता के उपरांत कई प्रश्न भी पूछे। व्याख्यान को सभी ने बहुत सराहा और प्रतिभागियों ने भविष्य में ऐसे और भी सेमिनारों में भाग लेने की इच्छा व्यक्त की। श्रीमान प्रेम किशोर प्रभु जी ने वार्ता के उपरांत आईएसएस –आध्यात्मिकता एवं विज्ञान संस्थान (इस्कॉन दिल्ली की वैज्ञानिक प्रचार शाखा) की सोच और दूरदर्शिता को लेकर इसकी भविष्य की योजनाओं के विषय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक आकर्षक चर्चा की। अधिकारियों ने भविष्य के सम्मेलनों में भाग लेने और एक साथ काम करने के लिए गहरी रुचि दिखाई है।

Srila Raghunatha Dasa Goswami Appearance (30th January) (ISKCON, East of Kailash)

The appearance day of great acharyas is an auspicious occasion to revisit their glorious service at the lotus feet of their spiritual master. It is also a day to celebrate proximity in their association through instructions and literature, left behind as guiding lights. Srila Raghunatha Dasa Goswami served Caitanya Mahaprabhu, by offering his services for the resurrection of the Brahma-Madhva-Gaudiya Sampradaya. Upholding the values of simplicity, humility and absolute surrender to the will of the Lord, he exemplified devotional behaviour, etiquette and attitude. His appearance day was celebrated with pushpanjali, kirtan and glorification.



श्रील रघुनाथ दास गोस्वामी आविर्भाव दिवस (30-जनवरी) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

महान आचार्यों का प्राकट्य दिवस उनके आध्यात्मिक गुरु के चरण कमलों में उनकी गौरवमयी सेवा को फिर से प्रकट करने का एक शुभ अवसर होता है। उनके निर्देश एवं साहित्य के माध्यम से यह उनका संग एवं सामीप्य लाभ लेने का उत्सव था, जिसे मार्गदर्शक प्रकाश के रूप में वे पीछे छोड़ गये हैं। गौड़ीय मध्व सम्प्रदाय के पुनरुत्थान हेतु अपनी सेवाएं देकर श्रील रघुनाथ दास गोस्वामी ने चौतन्य महाप्रभु की सेवा की। भगवान की इच्छा के लिए सादगी, विनम्रता और पूर्ण समर्पण के मूल्यों को उजागर करते हुए, उन्होंने भक्तिपूर्ण व्यवहार, शिष्टाचार और दृष्टिकोण का अनुकरण किया। उनके आविर्भाव दिवस को पुष्पांजलि, कीर्तन और महिमा मंडन के साथ मनाया गया।

Upcoming events:

Bhagavad Gita Prize Distribution ceremony (1st February) (ISKCON, East of Kailash)

The Bhagavad Gita marathon concluded on the 24th of January. Almost two months of hard work, constant endeavour and absorption in service, culminated in the distribution of over 4.5 lac Bhagavad Gitas and other transcendental literature in Delhi alone. 1st February is the day to award those who took this opportunity to please their Spiritual Master and the Lord, seriously. Devotees will be praised and glorified for their efforts. Their sense of achievement will see a manifold increase after receiving their awards from His Holiness Gopal Krishna Goswami Maharaja. Maharaja's presence will inspire the distributors to do better next year and set new records. The ceremony will be followed by sumptuous prasadam.



आगामी कार्यक्रम

भगवद गीता पुरस्कार वितरण समारोह (1 फरवरी) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

24 जनवरी को भगवद गीता मैराथन सम्पन्न हुआ। लगभग दो महीने की कड़ी मेहनत, निरंतर प्रयास और सेवा में निमग्नता, जिसकी परिणति अकेले दिल्ली में ही 4.5 लाख से अधिक भगवद गीता एवं अन्य दिव्य साहित्य के वितरण के रूप में हुई। 1 फरवरी उन लोगों को पुरस्कृत करने का दिन था, जिन्होंने अपने आध्यात्मिक गुरु और परम भगवान की प्रसन्नता हेतु इस अवसर को गंभीरता से लिया। भक्तों द्वारा किए गए प्रयासों हेतु उन्हें प्रशंसा व प्रतिष्ठा प्राप्त हुई। परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज के कर कमलों से पुरस्कार प्राप्त कर उनकी निष्पत्ति की भावना कई गुना बढ़ गई। महाराज जी की उपस्थिति मात्र ने कई पुस्तक वितरकों को आगामी वर्ष में और अच्छा प्रदर्शन करने तथा नए रिकॉर्ड स्थापित करने हेतु उत्साहित किया। प्रोत्साहन से ओतप्रोत अपने शब्दों में, महाराज जी ने उपस्थित सभी लोगों को स्मरण दिलाया कि पुस्तक वितरण कितना लाभदायक है और कृष्ण किस प्रकार प्रसन्न होते हैं जब हम इस प्राचीन, वैदिक ज्ञान को भटकी हुई जीवात्माओं हेतु मुक्त हस्त से प्रदान करते हैं। समारोह के उपरान्त शानदार प्रसादम किया गया।

भगवान नित्यानंद का प्राकट्य (7 फरवरी) (इस्कॉन, सभी दिल्ली-एनसीआर मंदिर)

‘नायमात्मा बलहीनेन लभ्यो’ भगवान बलराम की दया के बिना आत्मबल प्राप्त नहीं किया जा सकता है। परम भगवान, के प्रथम विस्तार भगवान बलराम का चौतन्य लीला में नित्यानंद प्रभु के रूप में प्राकट्य होता है। केवल आदि गुरु, श्री नित्यानंद की कृपा ही कृष्ण प्रेम की प्राप्ति सुनिश्चित कर सकती है। वे आध्यात्मिक शक्ति के संरक्षक हैं और प्रदानकर्ता भी हैं और सिर्फ उसे ही प्रदान जो ईमानदारी से उनसे प्रार्थना करता है एवं उनकी सेवा करता है।

Appearance of Lord Nityananda (7th February) (ISKCON, All Delhi-NCR Temples)

Self-realisation cannot be achieved without the mercy of Lord Balarama. The first expansion of the Supreme Personality of Godhead, Lord Balarama appears as Nityananda Prabhu in the Caitanya-lila. Only Adi Guru's, Sri Nityananda's mercy can ensure the achievement of the love of Godhead. He is the custodian of spiritual strength and grants it to the one who sincerely serves and prays to Him. It is impossible to approach Lord Caitanya without the mercy of Nitai. His appearance day is an opportunity to receive benediction to perform pure devotional service. His favour can catapult a devotee far ahead on the spiritual path. ISKCON will celebrate this special day with abhishek, kirtan and sumptuous ekadashi feast. The deities will be adorned with dresses made up of dry fruits and flowers. Thousands turn up for this resplendent, divine darshan of Their Lordships.

Gaura Purnima Shobha Yatra (8th February) (ISKCON, East of Kailash)

The celebration will begin with a Shobha Yatra from Bhogal. Their Lordships, accompanied by their devotees, dancing, chanting and distributing books, will set out to provide their benign darshans to everybody. There will be distribution of prasadam and the holy name will reverberate on streets and purify all those who are fortunate enough to hear it.



निताई की दया के बिना भगवान चौतन्य से संपर्क करना असंभव है। उनका प्राकट्य दिवस शुद्ध भक्ति करने हेतु आशीर्वाद प्राप्त करने का एक सुअवसर है। उनका अनुग्रह किसी भी भक्त को एक गुल्ले की भाँति एक ही झटके में आध्यात्मिक मार्ग पर बहुत आगे बढ़ा सकता है। इस्कॉन इस विशेष दिवस को अभिषेक, कीर्तन और शानदार एकादशी प्रसादम के साथ मनाएगा। श्री विग्रहों को सूखे फलों, फूलों और मेवों से बने परिधानों से विभूषित किया जाएगा। श्री भगवान के इस देदीप्यमान, दिव्य दर्शनों हेतु उस दिन हजारों लोग उमड़ेंगे।



गौर पूर्णिमा शोभा यात्रा (8 फरवरी) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

गौर पूर्णिमा का उत्सव भोगल से शोभा यात्रा के साथ प्रारम्भ होगा। श्री भगवान, नृत्य, जप और किताबें वितरित करते हुए, अपने भक्तों के साथ, सबको अपने सौम्य दर्शन प्रदान करेंगे। प्रसादम का वितरण होगा और पवित्र हरिनाम संकीर्तन सड़कों पर गूँजेगा तथा उन सभी को शुद्ध करेगा जो इसे सुनने हेतु पर्याप्त सौभाग्यशाली हैं।

श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर का आविर्भाव दिवस (13 फरवरी) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

गौड़ीय वैष्णव सम्प्रदाय, के युगीन विद्वान एवं परम ज्ञानी, सिंह गुरु श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर, अपने पिता श्रील भक्तिविनोद ठाकुर की सहायतार्थ विष्णु की किरण के रूप में प्रकट हुए। उनके प्रयासों से उस समय विद्यमान असंख्य अप-सम्प्रदायों के समाज को छुटकारा मिला। खतरनाक जानलेवा विषम परिस्थितियों के बावजूद आगे बढ़ते हुए, उन्होंने वैष्णववाद के वर्चस्व को पुनः स्थापित किया, जो सभी मौजूदा दूषणों से भक्ति के सिद्धांतों को शुद्ध करता है। श्रील प्रभुपाद के आध्यात्मिक गुरु के रूप में, श्री कृष्ण भावनामृत आंदोलन की नींव रखने का श्रेय उन्हें ही जाता है, जो दुनिया के लगभग सभी शहरों और कस्बों में फैला हुआ है। उनका आविर्भाव दिवस पुष्पांजलि, कीर्तन, भोज और महिमा गायन के साथ मनाया जाएगा।

Appearance day of Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura (13th February)
(ISKCON, East of Kailash)

The erudite and scholarly 'lion Guru' of the Gaudiya Vaishnava Sampradaya, Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura, appeared as 'the Ray of Vishnu', to assist his father Srila Bhaktivinoda Thakura. His efforts helped rid the society of the innumerable apa-sampradayas existing at that time. Surging ahead despite life threatening circumstances, he re-established the supremacy of Vaishnavism, purifying principles of devotional service of all the existing contaminations. As the Spiritual Master of Srila Prabhupada, he is credited to have laid the foundation of the Krishna consciousness movement which proliferated to almost all cities and towns of the world. His appearance Day will be celebrated with pushpanjali, kirtan, feast and glorification.

Seminar by His Grace Bhurijana Prabhu (12th -17th February)
(ISKCON, East of Kailash)

His Grace Bhurijana Prabhu, a disciple of Srila Prabhupada, will be visiting Delhi soon. As a senior member of the ISKCON community, he has been fraternising with various educational bodies in ISKCON for inculcating the right mood and attitude amongst the next generation of devotees. With this vision, two seminars are organised to facilitate an interaction with him for the devotees connected with Sri Sri Radha Parthasarathi Temple. From 12th – 14th February, a seminar on japa is organised. Chanting is the backbone of spiritual life. This seminar will include the japa techniques which can help one chant better. From 15th – 17th February, he will bring forth "Lessons from Bhagavatam". Bhagavatam as the summum bonum of Vedic wisdom is seen as a manual human life.

Seminar by Her Grace Sukhavaha Mataji (20th February)
(ISKCON, East of Kailash)

A Srila Prabhupada disciple, Her Grace Sukhavaha Mataji will conduct a seminar in ISKCON, East of Kailash auditorium on "Die before Dying". This seminar is expected to be attended by many devotees. It will help devotees to make changes in their lifestyle, thought process and consciousness, required to progress on the spiritual path.

Srila Jagannatha Dasa Babaji Maharaja Disappearance Day (24th February)
(ISKCON, East of Kailash)

Srila Jagannatha Dasa Babaji Maharaja, a prominent spiritual master coming in the line from Sri Caitanya Mahaprabhu, was the great-grand disciple of Srila Baladeva Vidyabhushana, who established the scriptural legitimacy of Lord Chaitanya's movement. Srila Jagannatha dasa Babaji Maharaja was respected by the whole Vaishnava community and was known as Vaishnava Sarvabhauma, or chief amongst the Vaishnavas. Srila Jagannatha Dasa



10) श्रीमान भूरिजन प्रभु द्वारा संगोष्ठी (12 फरवरी –17 फरवरी)
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रील प्रभुपाद के शिष्य श्रीमान भूरिजन प्रभु ऑस्ट्रेलिया से दिल्ली पधार रहे हैं। इस्कॉन समुदाय के एक वरिष्ठ सदस्य के रूप में, वह भक्तों की अगली पीढ़ी के बीच सही मनोदशा और दृष्टिकोण को बढ़ाने हेतु इस्कॉन में विभिन्न शैक्षणिक निकायों के साथ कार्यरत हैं। इसी दृष्टि से, श्री श्री राधा पार्थसारथी मंदिर से जुड़े भक्तों को उनके साथ विचार-विमर्श की सुविधा हेतु दो सेमिनार आयोजित किए जाएंगे 12 से 14 फरवरी तक, हरिनाम जप पर एक संगोष्ठी का आयोजन होगा। जप आध्यात्मिक जीवन की रीढ़ है। इस संगोष्ठी में जप तकनीक की सरगम को विस्तारित किया जाएगा जो किसी को भी बेहतर जप करने में मदद कर सकता है। यह उपस्थित लोगों को भी जप में सुधार लाने की इच्छा विकसित करने की आवश्यकता का एहसास कराता है और लगातार इस लक्ष्य की ओर काम करता है। 15 से 17 फरवरी तक, प्रभुजी भगवतम से शिक्षा विषय पर बोलेंगे। वैदिक ज्ञान के सारांश के रूप में भागवतम की शिक्षाओं को जीवन परिवर्तित करने वाले अनुभवों के एक मैनुअल के रूप में प्रस्तुत करेंगे। भक्तों को श्रील प्रभुपाद द्वारा विशेष रूप से डिजाइन किए गए चुनिंदा शब्दों और सुंदर भावार्थों की में गहराई में जाने हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा।

श्रीमती सुखवाहा माताजी द्वारा संगोष्ठी (20 फरवरी)
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रील प्रभुपाद की शिष्या, श्रीमती सुखवाहा माताजी द्वारा इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश के सभागार में 'मरण से पूर्व मृत्यु' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है जिसमें कई भक्त भाग लेंगे, इस संगोष्ठी में वर्तमान शरीर छोड़ने से पहले अपने शरीर, पद एवं अन्य भौतिक पहलुओं से अनासक्त होने के तरीकों, साधनों एवं महत्व पर चर्चा होगी। आत्मा की यात्रा परिवर्तन हेतु जंक्शन के रूप में मृत्यु की तैयारी पर चर्चा की जायेगी। संगोष्ठी में शामिल होकर भक्तों को उनकी जीवन शैली में परिवर्तन, आध्यात्मिक प्रक्रिया तथा चेतना के प्रकाश में, आध्यात्मिक जीवन के प्रति उनकी गंभीरता और प्रतिबद्धता का आकलन करने हेतु प्रोत्साहन मिलेगा, जो आध्यात्मिक पथ पर प्रगति हेतु परम आवश्यक है।

THE GLORIES OF SRI N

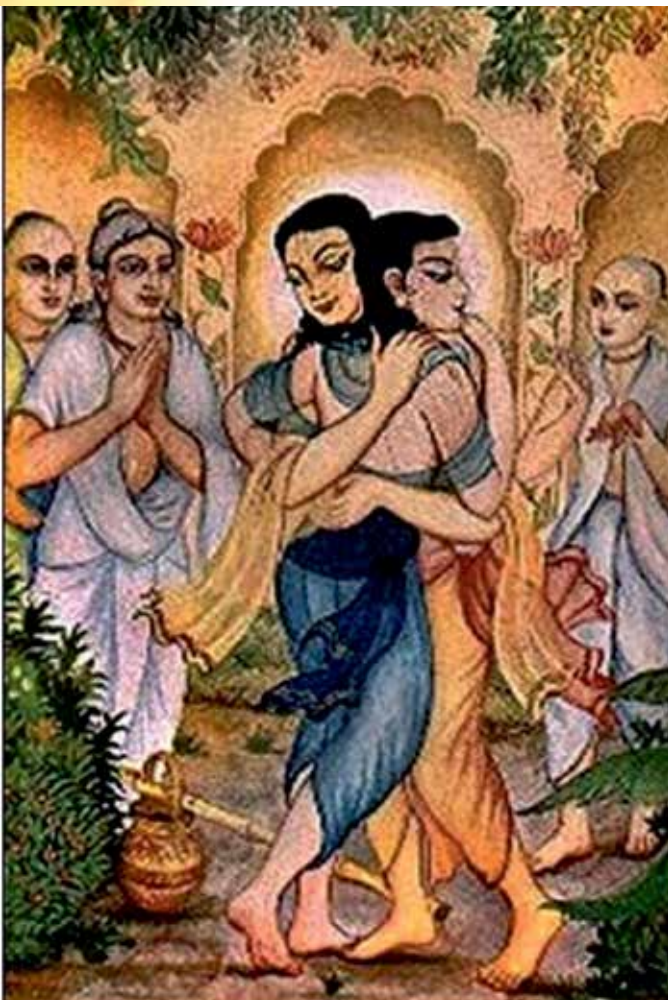
Sri Nityananda Prabhu was born in Ekachakra, a small village in present West Bengal, around the year 1474. He met Sri Caitanya Mahaprabhu in 1506, when He was 32 years old and the Lord 20 years. It is said that when Nityananda Prabhu reached the land of Nadia, He hid in the house of Nandana Acarya, to heighten the ecstasy of meeting through separation. Sri Caitanya Mahaprabhu aware of the arrival of His eternal associate dispatched Haridas Thakura and Srivasa Pandita to search out Nitai, but they failed. Finally unable to bear the separation any longer, Caitanya Mahaprabhu Himself went directly to Nityananda Prabhu and the ecstasy of the meeting was so transcendental that everyone witnessing it were awed by the sublime experience.

Nityananda Prabhu in His role as the original spiritual master, was instrumental in spreading the yuga-dharma of sankirtana all over the Gauda desh (Bengal, Orrisa). His mercy knew no bounds, and people fortunate to come



in contact with Him were inundated with the love of Godhead. It was by His mercy that Raghunatha dasa, one of the six Goswamis started the famous festival of Panihatti, a tradition that continues to this day, and was thus able to serve Caitanya Mahaprabhu. He extended His mercy to even fallen souls like Jagai and Madhai, delivering them from the sinful lives and protecting them from the wrath of even Caitanya Mahaprabhu. Indeed His mercy knew no bounds, and fortunate were the people who tasted the nectar of His instructions.

When Nityananda Prabhu returned to Bengal at the request of Caitanya Mahaprabhu, He decided to abandon His avadhuta status and become a grhastha (householder). He married Srimati Jahnava Devi and Srimati Vasudha Devi, the two daughters of Suryadasa Sarakhela, who the brother of Gauridasa Pandit (an intimate associate of Caitanya Mahaprabhu and the spiritual master of the famous Shyamananda Pandit). Nityananda Prabhu had a son (Viracandara) and a daughter (Ganga Devi) from Vasudha Devi. Soon after Vasudha Devi



NITYANANDA PRABHU



passed away and Jahnava Devi looked after the children. She later initiated Viracandra, and also became an instructing spiritual master to the likes of Shyamananda Pandit, Shrivasa Pandit and Narottamadasa Thakur. Jahnava Mata is revered as a Vaisnavi and she established the pre-eminent position of women in the Vaisnava tradition.

Lord Nityananda wound up His earthly pastimes, by merging into the Deity of Krishna, known as Bankim Ray, not far from Ekachakra. Vaisnava acaryas emphatically state that people who try to understand Caitanya Mahaprabhu without getting the mercy of Nityananda Prabhu will never succeed. One must pray very sincerely to Lord Nityananda Prabhu as the adi-guru (original spiritual master) to be delivered to the Lotus feet of Sri Caitanya Mahaprabhu. The presence of Nityananda Prabhu is always felt in the presence of one's own guru, for the guru is considered to be the living

manifestation of Nityananda Prabhu's love and mercy, and his shakti (power) is what gives the disciple the ability to perform devotional service and experience spiritual bliss.



Babaji was the shiksha-guru, or instructing spiritual master, of Srila Bhaktivinoda Thakura, a pioneer in spreading Krishna consciousness outside India. His disappearance day will be celebrated with pushpanjali, kirtan, feast and glorification.



श्रील जगन्नाथ दास बाबाजी महाराज का तिरोभाव दिवस (24 फरवरी)
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रील जगन्नाथ दास बाबाजी महाराज, श्री चौतन्य महाप्रभु की परंपरा में आने वाले एक प्रमुख आध्यात्मिक गुरु, श्रील बलदेव विद्याभूषण जिन्होंने भगवान चौतन्य के आंदोलन की साहित्यिक पटकथा लिखकर वैधता स्थापित की थी के पड़-पोते-शिष्य हैं। श्रील जगन्नाथ दास बाबाजी महाराज पूरे वैष्णव समुदाय द्वारा सम्मानित थे और वैष्णव सार्वभौम अर्थात् वैष्णवों में प्रमुख के रूप में जाने जाते थे। श्रील जगन्नाथ दास बाबाजी महाराज, श्रील भक्ति विनोद ठाकुर जो कि जो भारत के बाहर कृष्ण भावनमृत फैलाने में अग्रणी थे के शिक्षा-गुरु या आध्यात्मिक निर्देशक थे। उनके तिरोभाव दिवस को पुष्पांजलि, कीर्तन, भोज एवं उनकी महिमा गायन के साथ मनाया जाएगा।

PRAYERS TO LORD NITYANANDA



*nityanandam aham naumi
sarvananda-karam param
hari-nama-pradam devam
avadhuta-shiromanim*

"I bow down to the Supreme Lord Nityananda Prabhu, who is the awarder of the highest joy to all, the bestower of the holy name and the crest jewel of all paramahansa mendicants."

*vande shri-krishna-chaitanya-
nityanandau sahoditau
gaudodaye pushpavantau
chitrau shandau tamo-nudau*

"I offer my respectful obeisances unto Sri Krishna Caitanya and Lord Nityananda, who are like the sun and moon. They have arisen simultaneously on the horizon of Gauda to dissipate the darkness of ignorance and thus wonderfully bestow benediction upon all." (Cc.Adi.1.2.)

PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

ISKCON, EAST OF KAILASH

Chirag Delhi-168, Sejwal Chowpal, Near Subzi Mandi
Chirag Delhi, New Delhi-110017
Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Okhla- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village
Okhla, Phase – I, New Delhi-110020
Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934
Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

Kotla Mubarakpur- Shri Omkareshwar Shiv Mandir
(Panghat wala), Gurudwara Road
Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003
Contact at: 9350941626, 9818767673, 9911510999
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Khanpur- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road
(Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062
Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Hari Nagar, Ashram- 217, Saini Chaupal, Ashram
Or 119, VIIT Computer Institute (Basement)
Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014
Contact at: 9811281521, 011-26348371
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

East Vinod Nagar-E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091
Contact at: 9810114041, 9958680942
Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

Srinivas Puri-Sanatan Dharam Durga Mandir
1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Srinivas Puri,
New Delhi-110065
Contact at: 9711120128, 9654537632
Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

Sangam Vihar- E-6/102, Near Mahavir Vatika
Sangam Vihar, New Delhi-110080
Contact at: 9212495394, 9810438870
Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM
Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation)
Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

Boat Club-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station,
New Delhi -110001
Every Wednesday 1PM -2 PM
Contact : 9560291770, 9717647134

Panchsheel Enclave-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave, New
Delhi-110017

Mayur Vihar-Srivas Angan Namahatta Center, 223-A Pkt.
C ph.2 Mayur Vihar
Every Saturday 5.30 - 7.30 PM
Contact ~ 9971999506 & 9717647134

Sarojini Nagar-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park,
Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023
Every Monday 6 PM to 8 PM
Contact : 9899694898, 9311694898

Lodi Road-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact : 9868236689, 8910894795

R.K.Puram-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram,
New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM
Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

Gole Market-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market,
New Delhi – 110001
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact: 9560291770, 9717635883

Lajpat Nagar – 7pm. Every MONDAY at Sant Kanwar Ram Mandir,
Jal Vihar Road, Lajpat Nagar-2, New Delhi. Contact : 9971397187.

East of Kailash-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam
Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

East of Kailash-Vaikuntha Fun School, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC
Room, Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

ISKCON, PUNJABI BAGH

Kirti Nagar- Shemrock heights Play School- E-77,
opp. Kotak Mahindra Bank. Centre Coordinator- Krishna Murari
Prabhuj- 9868387810

Paschim Vihar- 344, Pragati Apartments, club road Punjabi bagh, Centre
Co-ordinator- Jahanvi Mataji 9250637080, Parul prabhuj- 9971493379

Rani Bagh- OM Public School, Furniture Market, Rishi Nagar.
Centre Co-ordinator Vikas Singhal- 9654690503,
Sadhyavilasini Mataji – 9212400126

Vishal Enclave- Kidz Liliput- B33 Vishal Enclave, Rajouri Garden,
Centre Coordinator- Kavita Gulati Mataji -8447487375

Shastri Nagar WZ-38, opposite Mother Dairy,
Centre Coordinator- Vaibhav Gupta Prabhuj- 9868036006,
9213432666, Sadhya Krishan Prabhuj- 9999840554

ISKCON, GURUGRAM

RADHA KRISHNA MADIR

New Colony, Gurugram, Every Saturday-6:30 to 8:30PM
Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna
Prasadam

Rail Vihar Community Center

Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan,
Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

S.G.N. WEALTH ADVISORY SERVICES

Cont : 9212743876, 8851942718

Email: srigaurharidas@gmail.com

Financial Planing • Tax Planing • Health Planing
Mutual Funds • Bank F.D. • General/Life Insurance



Do you want to find a
Vaishnava Partner
for a
Krishna conscious
marriage???

Look no further....

Please sign up on

www.kcmatches.com

Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vighraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666



International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada

ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65
Web: www.iskcondelhi.com | Live Darshan: live.iskcondelhi.com
Facebook: www.facebook.com/iskcondelhi, Contact: 011-41625804, 26235133

ISKCON, Punjabi Bagh - 41/77, Srila Prabhupada marg,
West Punjabi Bagh, Delhi-26
Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

ISKCON, Dwarka - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New Delhi-110075
Web: iskcondwarka.org, Facebook: www.facebook.com/iskcon.dwarka/
Contact: 9891240059, 8800223226

ISKCON, Gurugram - Sudarshan Dham, Main Sohna Road,
Badshahpur, Gurugram, Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

ISKCON, Faridabad - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan,
C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad, Phone : 0129-4145231
Email : gopisvardas@gmail.com

ISKCON, Bahadurgarh - Nahara-Nahari Road, Line Par Bahadurgarh,
Haryana - 124507, Phone: +91-9250128799
Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON, Rohini - Plot No-3, Institutional Area, Main Road,
Sector-25, Rohini New Delhi 110085
Phone: +91-9871276969
Email: iskcon.rohini@gmail.com

We hope you liked the newsletter. Please send your feedback/comments/suggestions at delhinews108@gmail.com



Transcendental Dining Experience

GOVINDA'S
PURE VEGETARIAN RESTAURANT

Only Restaurant in Delhi serving unique
Multi-Cuisine traditional feast of 56 varieties
of dishes under one roof...

Facilities for Corporate Meetings / Seminars /
Weddings / Birthday / Reception etc. from
Minimum 30 to 600 persons. We undertake
Outdoor Catering services as well.

- Wide selection of Snacks & Desserts
- Multi Cuisine Menu
- Unique Ambience
- Theme Decor Arrangement

ISKCON Temple Complex, Sant Nagar,
East of Kailash, New Delhi-110065

98718 63733 | 9650800328 | 011-41094042

Lunch
12.30 to 3.30 pm

Snacks
4.00 to 6.30 pm

Dinner
7.00 to 10.00 pm